

संसदीय लोकतंत्र में शैडो कैबिनेट

प्रलिस के लयः

शैडो कैबिनेट, [वपिकष के नेता \(LoP\)](#), कचिन कैबिनेट, [संसद](#)

मेन्स के लयः

भारत में शैडो कैबिनेट, नयितरण एवं संतुलन

[स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस](#)

चर्चा में क्यो?

हाल ही में [वपिकष के नेता \(LoP\)](#) और बीजू जनता दल (BJD) के अध्यक्ष ने ओडशा वधिनसभा के 50 बीजेडी [सदस्यों \(वधायकों\)](#) को शामिल करते हुए एक 'शैडो कैबिनेट' का गठन कयिा है।

- यह घटनाक्रम राज्य में भारतीय जनता पार्टी की हालिया चुनावी सफलताओं के मद्देनजर हुआ है, जो वधायी गतशीलता (Legislative Dynamics) में महत्त्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है।

शैडो कैबिनेट क्या है?

- परचयः** शैडो कैबिनेट में वपिकषी वधायक/सांसद शामिल होते हैं, जो सरकार के मंत्रियों के वभिगों को दर्शाते हैं। वपिकष के नेता के नेतृत्व में शैडो कैबिनेट वभिन्न वभिगों और मंत्रालयों में **सत्तारूढ सरकार के कार्यों की नगिरानी तथा आलोचना** करता है।
 - वशिव भर के संसदीय लोकतंत्रों में, शैडो कैबिनेट की अवधारणा शासन और वपिकष की गतशीलता में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभाती है।
 - वेसटमसिटर प्रणाली** से उत्पन्न और यूनाइटेड किंगडम, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा तथा न्यूज़ीलैंड जैसे देशों में प्रमुख रूप से उपयोग की जाने वाली शैडो कैबिनेट की अवधारणा वपिकषी सांसदों को सत्तारूढ सरकार की नीतियों की जाँच करने तथा उन्हें चुनौती देने के लयि एक संरचित ढाँचा प्रदान करती है।
- लाभः**
 - वशिष्ट मंत्रालयों की छाया में काम करके, सांसदों को **गहन ज्ञान और वशेषज्ञता** प्राप्त होती है, जससे वे संसदीय परचिर्चाओं के दौरान सरकार की नीतियों को प्रभावी ढंग से चुनौती दे पाते हैं।
 - यह वपिकषी सांसदों को नेतृत्व का अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है, जो उन्हें शैडो कैबिनेट में उनके प्रदर्शन के आधार पर **भवषिय में मंत्री की भूमिकाओं के लयि तैयार** करता है।
 - कार्यकारी कार्यों की सुदृढ़ जाँच** सुनश्चिति करके और सार्वजनिक नीतियों पर सूचिति परचिर्चाओं (Informed Debates) को बढ़ावा देकर संसदीय लोकतंत्र को **मज़बूत** करता है।
 - सरकारी नीतियों के लयि एक वशिवसनीय विकल्प प्रस्तुत करके, शैडो कैबिनेट यह सुनश्चिति करता है कनिरण्यों पर पूर्ण परचिर्चा और जाँच की जाए, जससे जलदबाज़ी या मनमाने वधायी कार्यों को रोका जा सके।
- चुनौतियाँ और आलोचनाएँ:**
 - भारत की बहुदलीय प्रणाली** में, **अलग-अलग दलों की प्राथमकिताओं और वचिारधाराओं** के कारण एकीकृत शैडो कैबिनेट का समन्वय करने से चुनौतियों का सामना करता है।
 - आलोचकों का तर्क है कवशिष्ट मंत्रालयों पर ध्यान केंद्रित करने से सांसदों की शासन संबंधी मुद्दों की समग्र समझ सीमति हो सकती है। हालाँकि समर्थकों का यह भी कहना है क **शैडो कैबिनेट में समय-समय पर फेरबदल करके इस चति को दूर कयिा जा सकता है**।
 - वैधानिक पद होने के बावजूद, वपिकष के नेता की मान्यता और शैडो कैबिनेट का संस्थागतकरण अलग-अलग हो सकता है, जससे वभिन्न संसदीय सत्रों में उनकी प्रभावशीलता पर प्रभाव पड़ सकता है।
- भारतीय लोकतंत्र के लयि संभावति नहितार्थः**
 - सभी वधायी कार्रवाइयों पर गहन वाद-वविाद और उनका न्यायोचिति होना सुनश्चिति करते हुए शैडो कैबिनेट को संस्थागत रूप देने से संसद के कामकाज का नगिरानी तंत्र सुदृढ़ हो सकता है।

- नीतियों के लिये सुसंगत वकिलप प्रस्तुत कर शैडो कैबिनेट संसदीय कार्यवाही में जनता का विश्वास बढ़ा सकता है और वपिक्षी दल को शासन के विश्वसनीय वकिलप के रूप में प्रदर्शित कर सकता है।
- व्यक्तित्व-संचालित राजनीति से नीति-केंद्रित बहसों की ओर बदलाव को प्रोत्साहित करते हुए, शैडो कैबिनेट शासन और सार्वजनिक नीति पर अधिक व्यापक चर्चा को बढ़ावा देता है।
- अंतरराष्ट्रीय उदाहरण:
 - यूनाइटेड किंगडम: शैडो कैबिनेट को नेता प्रतपिक्ष (वपिक्ष का नेता) द्वारा सरकार के मंत्रिमंडल को प्रतबिबित करने के लिये नयिकृत किया जाता है।
 - इसके अंतर्गत सत्तारूढ़ वपिक्ष को एक वैकल्पिक सरकार के रूप में प्रस्तुत करते हुए प्रत्येक सदस्य अपनी पार्टी के एक विशिष्ट नीतिक्षेत्र की अध्यक्षता करता है और मंत्रिमंडल में अपने समकक्ष से सवाल करता है तथा उन्हें चुनौती देता है।
 - कनाडा: यहाँ वपिक्षी दल शैडो कैबिनेट का गठन करते हैं जो कवपिक्षी दल के सांसदों का समूह होता है जिन्हें आलोचक कहा जाता है जो सत्तारूढ़ दल के कैबिनेट मंत्रियों के समान विशेषज्ञता के क्षेत्रों के लिये ज़िम्मेदार होते हैं।
 - उन्हें एक दूसरे की प्रतबिबि के रूप में बैठाना यह स्मरण कराता है कवपिक्षी दल अगली बार सत्तारूढ़ दल का स्थान ले सकता है।

भारत में शैडो कैबिनेट के साथ प्रयोग

- महाराष्ट्र, 2005 भाजपा-शिवसेना शैडो कैबिनेट:
 - इसे कॉन्ग्रेस-NCP सरकार के कामकाज की आलोचना करने हेतु गठित किया गया था।
 - संरचना: इसमें भाजपा और शिवसेना के प्रमुख वपिक्षी नेताओं को शामिल किया गया जिन्होंने अपने संबंधित सरकारी मंत्रालयों के कामकाज की नगिरानी की।
 - प्रभाव: इसने राज्य विधानसभा में वपिक्षी दल के कामकाज की संरचित जाँच और नीतिगत आलोचना प्रदान की।
- मध्य प्रदेश, 2014 कॉन्ग्रेस शैडो कैबिनेट:
 - संरचना: इसमें वरिष्ठ कॉन्ग्रेस नेताओं और वधायकों को शामिल किया गया जिन्होंने अपने संबंधित सरकारी मंत्रालयों के कामकाज की नगिरानी की।
 - परिणाम: राज्य विधानमंडल की कार्यवाही में वपिक्ष की पारदर्शिता और जवाबदेहता बढ़ी।
- गोवा, 2015 NGO अध्यक्षता वाली शैडो कैबिनेट:
 - यह जेन नेक्सट, एक गैर-सरकारी संगठन द्वारा गठित किया गया था। आधिकारिक वपिक्षी दल न होने के बावजूद भी उक्त NGO ने सत्तारूढ़ सरकार की नीतियों का विश्लेषण किया।
 - इसने शासन के मुद्दों की स्वतंत्र जाँच की और सार्वजनिक चर्चा की।
- केरल, 2018 सविलि सोसायटी शैडो कैबिनेट:
 - यह सत्तारूढ़ पक्ष की नीतियों की जाँच करने हेतु सविलि सोसायटी के सदस्यों की अध्यक्षता में बनाई गई थी। इसमें सामाजिक कार्यकरता और विशेषज्ञ शामिल थे, जो वपिक्षी दल UDF से संबद्ध नहीं थे।
 - प्रभाव: इसने सरकारी नीतियों और पहलों पर महत्वपूर्ण विश्लेषण तथा वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत किये।

नोट: 'आंतरिक कैबिनेट' या 'कचिन कैबिनेट' का तात्पर्य एक लघु अनौपचारिक समूह से है जिसमें प्रधानमंत्री और दो से चार विश्वस्त सहयोगी शामिल होते हैं, जिन्हें सत्ता के वास्तविक केंद्र की संज्ञा दी जा सकती है।

आगे की राह

- औपचारिकरण: हालाँकि विधिद्वारा शैडो कैबिनेट का औपचारिकरण करना अनविर्य नहीं है कति संसद अपने नियमों में संशोधन करके वपिक्ष के नेता को औपचारिक रूप से मान्यता दे सकती है और उन्हें शैडो कैबिनेट नयिकृत करने का अधिकार दे सकती है।
 - इससे वपिक्ष का दर्जा बढ़ेगा और संचालन के लिये एक रूपरेखा प्राप्त होगी।
 - दीर्घावधि में वपिक्ष के नेता और शैडो कैबिनेट को औपचारिक रूप से मान्यता देने के लिये संविधान में संशोधन करने पर विचार किया जाना चाहिये।
- रसिर्च फंडिंग: संसद विशेष रूप से शैडो कैबिनेट के लिये अनुसंधान करमचारियों और संसाधनों के लिये बजट आवंटित कर सकती है। इससे उन्हें सरकारी नीतियों का अधिक प्रभावी ढंग से विश्लेषण करने और सूचित वकिलप विकसित करने का अधिकार मिलेगा।
- छाया मंत्रियों का चयन: वपिक्ष के नेता को प्रासंगिक नीतिक्षेत्रों में उनकी विशेषज्ञता, अनुभव और योग्यता के आधार पर छाया मंत्रियों की नयिकृति करनी चाहिये। इससे यह सुनिश्चित होता है कि शैडो कैबिनेट में ऐसे व्यक्तियों शामिल हों जो सूचित और रचनात्मक आलोचना करने में सक्षम हों।

दृष्टिभेन्स प्रश्न:

प्रश्न. छाया मंत्रिमंडल (Shadow Cabinet) की अवधारणा और संसदीय लोकतंत्र में इसकी भूमिका पर चर्चा कीजिये। यह सत्तारूढ़ सरकार के मंत्रिमंडल के वकिलप के रूप में कैसे काम करता है?

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. सचवालय मंत्रमिडल का नमिन में से क्या है? (2014)

1. मंत्रमिडल बैठक के लयि कार्यसूची तैयार करना ।
2. मंत्रमिडल समतियिों को साचवकि सहायता ।
3. मंत्रालयों को वत्तीय संसाधनों का आवंटन ।

नीचे दयि गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 2
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

??????????:

प्रश्न. आपकी दृष्टिमें, भारत में कार्यपालकि की जवाबदेही को नश्चिति करने में संसद कहाँ तक समर्थ है? (2021)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/shadow-cabinets-in-parliamentary-democracies>

